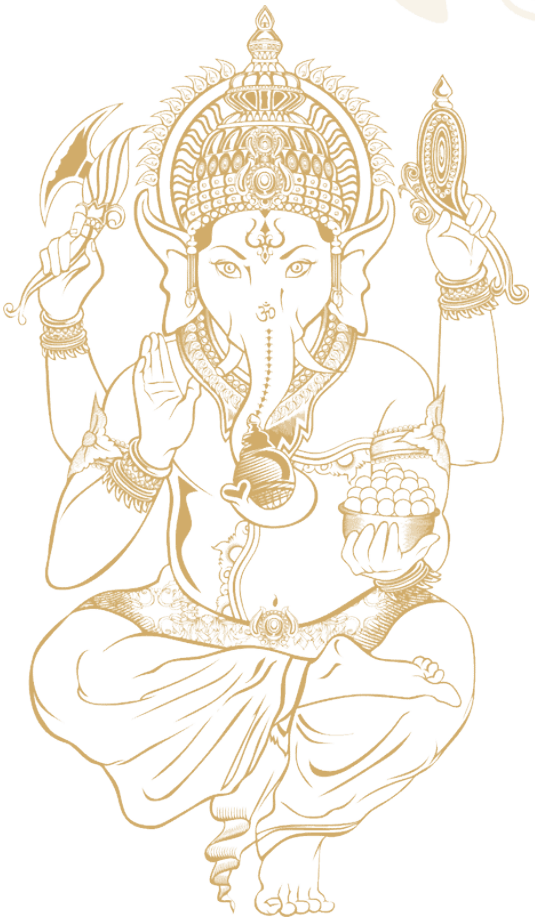

H

T

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121475403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/02/1996	जन्म तिथि	18/07/2001
मंगल-बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 02:00:00	जन्म समय	17:35:00 घंटे
घटी 48:22:10	जन्म समय(घटी)	30:03:10 घटी
India	देश	India
Mauranipur	स्थान	Lalitpur
25:15:00 उत्तर	अक्षांश	24:42:00 उत्तर
79:11:00 पूर्व	रेखांश	78:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:39:07	सूर्योदय	05:37:56
18:14:02	सूर्यास्त	19:06:57
23:48:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:27

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 2मा 27दि		28:48:56	वृश्चि	लग्न	धनु	10:18:05	मंगल 3वर्ष 4मा 15दि	
गुरु		14:43:55	कुंभ	सूर्य	कर्क	02:03:11	गुरु	
26/05/2016		02:23:52	मिथु	चंद्र	मिथु	00:14:11	03/12/2022	
26/05/2032		15:57:47	कुंभ	मंगल व	वृश्चि	21:14:56	03/12/2038	
गुरु	14/07/2018	22:54:56	मक	बुध	मिथु	13:45:02	गुरु	20/01/2025
शनि	24/01/2021	17:34:22	धनु	गुरु	मिथु	07:20:22	शनि	03/08/2027
बुध	02/05/2023	28:01:51	मीन	शुक्र	वृष	20:14:42	बुध	08/11/2029
केतु	07/04/2024	01:20:19	मीन	शनि	वृष	17:01:29	केतु	15/10/2030
शुक्र	07/12/2026	24:09:18	कन्या व	राहु	मिथु	12:26:45	शुक्र	15/06/2033
सूर्य	25/09/2027	24:09:18	मीन व	केतु	धनु	12:26:45	सूर्य	03/04/2034
चन्द्र	24/01/2029	08:49:38	मक	हर्ष व	कुंभ	00:02:50	चन्द्र	03/08/2035
मंगल	31/12/2029	02:57:11	मक	नेप व	मक	13:49:47	मंगल	09/07/2036
राहु	26/05/2032	09:17:45	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:00:03	राहु	03/12/2038

लग्न-चलित

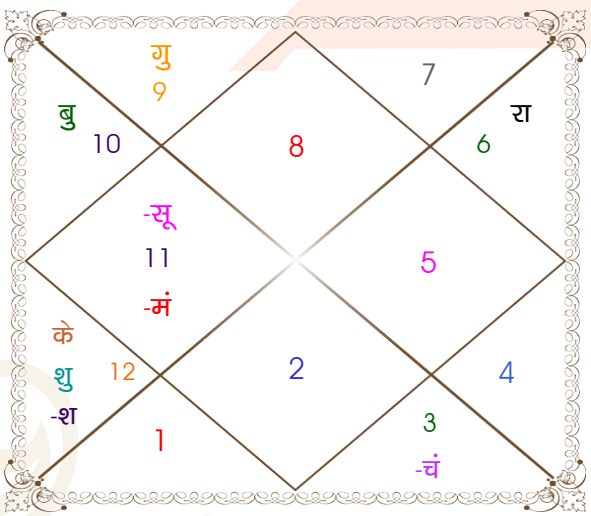

लग्न-चलित

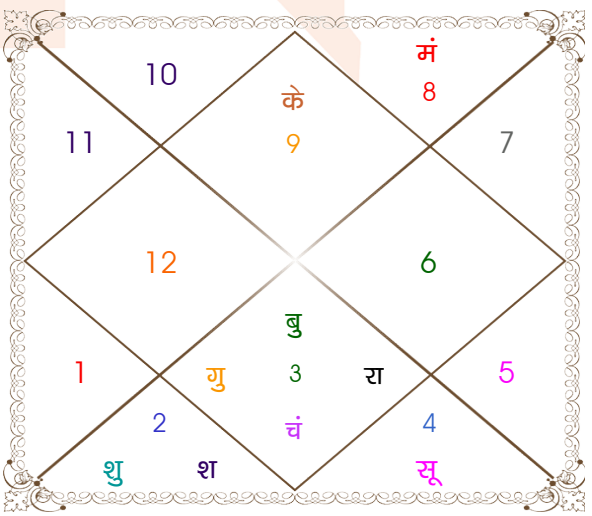

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि H का नक्षत्र मृगशिरा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि T का नक्षत्र मृगशिरा है।

H का वर्ग मार्जार है तथा T का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार H और T का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

H मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

T मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय Hाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो Hौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल T कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष Hांग हो जाता है।

क्योंकि मंगल T कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें Hाावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि T कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें Hाावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु H कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

H तथा T में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।